एम्ब्रॉयडरी मशीन ऑपरेटर

योग्यता पैक

रेफ. आई.डी. : ए.एम.एच./क्यू0801

क्षेत्र

अपैल्स, मेडअप्स
और होम फर्नीशिग

कक्षा

11वीं एवं 12वीं

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की एक घटक इकाई, के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), श्यालता हिल्स, भोपाल – 462002 (म.प्र.)
www.psscive.ac.in

व्यावसायिक शिक्षा

भारत में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी), अनौपचारिक और गैर–औपचारिक क्षेत्रों के माध्यम से आयोजित किये जाते हैं। वीईटी विभिन्न टार्गेट ग्रुप्स और शिक्षार्थियों की कौशल आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न रूपों में प्रदान किया जाता है। विभिन्न मंत्रालयों में से केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमओएसडीई) तथा केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय (एमओई) कौशल विकास योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी हैं। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के माध्यम से तैयार किए गए वीईटी प्रावधान स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग तथा शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आते हैं। पॉलिटेक्निक कॉलेजों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, जन शिक्षण संस्थानों, राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान के माध्यम से प्रदान की जाने वाली व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं। शिक्षार्थियों की विभिन्न प्रोफेशनल आकांक्षाओं और शैक्षिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के व्यवस्थित अधिग्रहण के लिए स्कूल जरूरी वातावरण प्रदान करते हैं। स्कूली शिक्षा आधारित व्यावसायिक ज्ञान विभिन्न नौकरियों की एन्ट्री–लेवल (प्रवेशात्मक स्तर) जरूरतों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है।

व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न सैद्धांतिक विषयों एवं पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया है। इनका उद्देश्य छात्रों के उन मूलभूत ज्ञान, कौशल एवं स्वभावगत विशेषताओं का विकास करना हैं जो उन्हें स्किल्ड पशेवर या व्यवसायी बनने में सहायता करेंगे। व्यावसायिक शिक्षा को समग्र शिक्षा (स्कूली शिक्षा की एक इन्टीग्रेटेड शिक्षा) के अंतर्गत लागू किया गया है।

श्रम बाजार की बढ़ती मांगों को पूरा करने और कुशल जनशक्ति के विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी) के लिए मान्यता प्राप्त है। वीईटी विशिष्ट जॉब रोल्स पर केंद्रित है और इस तरह का व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है, जो व्यक्तियों को विशिष्ट व्यावसायिक गतिविधियों में संलग्न होने के लिए सशक्त करता है। यह न केवल व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि उद्योगों में उत्पादकता बढ़ाने में भी मदद करता है।

व्यावसायिक विषयों को 2012 में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की संशोधित योजना के तहत पेश किया गया था। इसमें ग्रेड 9 से 12 (4 वर्षीय पैटर्न) में एक जॉबलरोल को पढ़ाया गया था। इस योजना को 2018 में समग्र शिखा अभियान (एसएसए) और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) के साथ समग्र शिक्षा में शामिल किया गया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (एनईपी–2020) में व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। एनईपी–2020 में उचित सामाजिक स्थिति प्रदान करने और सामान्य शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण के लिए एक प्रणाली विकसित करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा की पुनर्कल्पना (री–इमेजिंग) की गई है।

अपैरल, मेड–अप्स और होम फर्निशिंग (एएमएचएफ) सेक्टर के बारे

अपैरल, मेड–अप्स और होम फर्निशिंग सेक्टर हमारे देश में सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। यह विभिन्न तैयार उत्पादों का कच्चे माल से उत्पादन करते हैं। इस क्षेत्र में डिजाइनिंग, पैटर्न, कटिंग, सिलाई, परिधान, मेड–अप और होम फर्निशिंग आइटम की फिनिशिंग और सजावट से संबंधित गतिविधियां शामिल हैं।

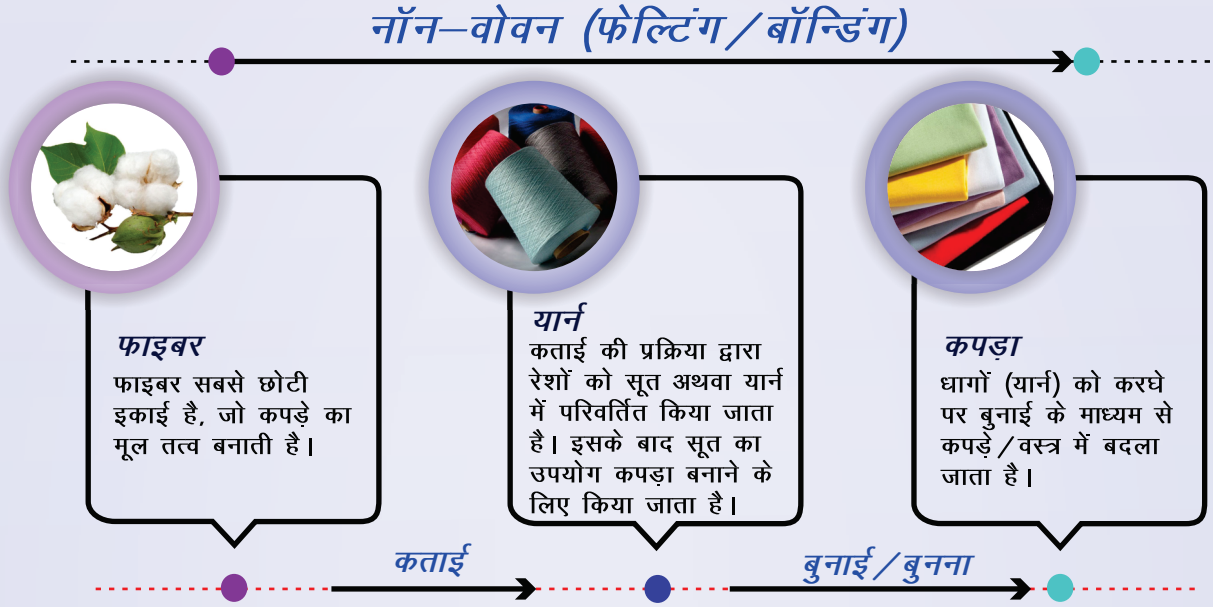

वस्त्र/परिधान उत्पाद विकास योजना के चरणों से होकर गुजरता है और प्रत्येक चरण में गुणवत्ता नियंत्रण के साथ निष्पादन होता है।

- नियोजन में डिजाइनिंग, लक्ष्य ग्राहक की पहचान, लागत अनुमान आदि जैसी गतिविधियां शामिल हैं।
- निष्पादन में काटना, सिलाई, फिनिशिंग, पैकिंग आदि शामिल हैं।
- गुणवत्ता नियंत्रण और निरीक्षण।
- उत्पादों में परिधान, मेड–अप, होम फर्निशिंग और सामान शामिल हैं।

अर्थव्यवस्था में एएमएचएफ क्षेत्र का योगदान

टॅक्सटाइल व अपैरल उद्योग भारत में दूसरा सबसे बड़ा रोजगार का माध्यम है। भारत न केवल कपास, जूट व सिल्क के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है बल्कि इस उद्योग में बड़ी संख्या में रोजगार देने की भी क्षमता है। इन उद्योगों में लगने वाले मैन पावर की ट्रेनिंग एएमएचएफ सेक्टर के विभिन्न जॉब रोल्स के माध्यम से की जाती है।

उपर्युक्त चित्र भारत के विकास में एएमएचएफ क्षेत्र के योगदान को दर्शाता है। एएमएचएफ ने न केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान दिया है, बल्कि निर्यात का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा दिया है। यह क्षेत्र देश में रोजगार सृजन में युवाओं के विकास और जीवन स्तर में सुधार के लिए महत्वपूर्ण रहा है।

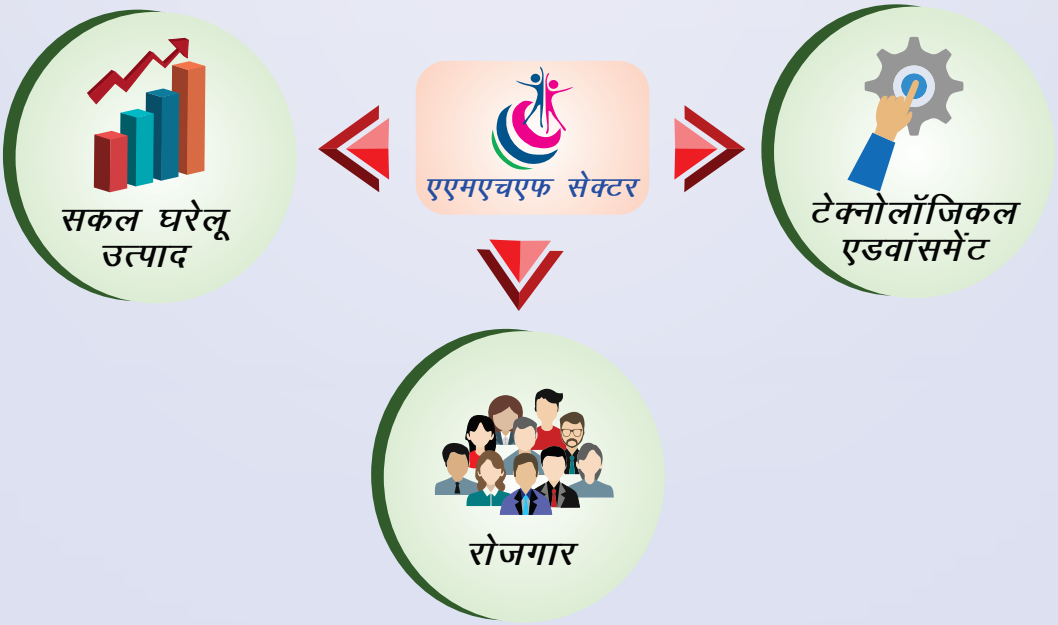

एएमएचएफ क्षेत्र का योगदान

परिधान उद्योग के घटक

एएमएचएफ क्षेत्र को दो प्रमुख खंडों में विभाजित किया जा सकता है:

- फाइबर टू फैब्रिक (कपड़ा उद्योग)
- फैब्रिक टू प्रोडक्ट (परिधान उद्योग)

एएमएचएफ क्षेत्र में कपड़ा उद्योग में फाइबर को धागे या कपड़े (नॉन वोवन) और धागे को कपड़े (वॉवन/निटेड कपड़ा) में बदलना शामिल है। कपड़े को रंगाई, छपाई, कढ़ाई, अलंकरण और परिष्करण तकनीकी का उपयोग करके सुंदर बनाया जाता है।

उपर्युक्त तरीके से कपड़ा बनाने के बाद कपड़ा उद्योग में इस कपड़े से तैयार परिधान, होम फर्निशिंग वस्तुऐं और एसेसरीस आदि बनाए जाते हैं।

एएमएचएफ से जुड़े अन्य उद्योग हैं:

परिधान उद्योग बहुत ही विस्तृत है तथा इसमें विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं को अंजाम दिया जाता है। यह एक डिजाइन विचार से शुरू होता है और परिधान तैयार होकर ग्राहक तक पहुंचने पर खत्म होता है। ये प्रक्रियाएं एक परिधान उद्योग के विभिन्न विभागों द्वारा पूरी की जाती हैं। प्रत्येक विभाग एक विशिष्ट कार्य के लिए जिम्मेदार होता है और सभी विभागों का उद्देश्य उचित लागत और समय के भीतर अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराना होता है। विभिन्न विभाग इस प्रकार हैं–

- मर्चेंडाइजिंग विभाग
- स्टोर विभाग
- कटिंग विभाग
- सिलाई विभाग
- धुलाई विभाग
- परिष्करण और पैकिंग विभाग
- गुणवत्ता नियंत्रण और निरीक्षण।
- रखरखाव विभाग
- वित्त और लेखा विभाग
- प्रशासन विभाग

जॉब रोल के बारे में

अपैरल मेड–अप्स होम फर्निशिंग क्षेत्र में विभिन्न जॉब रोल हैं जिन्हें कोई भी अपने पेशे के रूप में चुन सकता है और अपने कौशल को बढ़ा सकता है। यह क्षेत्र उभरते उम्मीदवारों को नौकरी के कई अवसर प्रदान करने पर केंद्रित है। इसमें परिधान उद्योग से संबंधित सभी नौकरियां जैसे पैटर्न मास्टर, स्व–नियोजित दर्जी, हाथ कढ़ाई आदि और स्व–स्वामित्व वाले छोटे व्यवसाय जैसे कढ़ाई इकाई, बुटीक, डिजाइन स्टूडियो आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) द्वारा एपेरल, मेड–अप और होम फर्निशिंग सेक्टर के तहत जॉब रोल निम्नानुसार हैं:

01	फेब्रिक चेकर
02	इन-लाइन चेकर
03	लेयरमैन
04	माप परीक्षक
05	प्रेसमैन
06	सिलाई मशीन ऑपरेटर
07	कढ़ाई मशीन ऑपरेटर (जिगजैग मशीन)
08	निर्यात सहायक
09	फ्रेमर- कम्प्यूटरीकृत कढ़ाई मशीन
10	गारमेंट कटर (सीएएम)
11	हाथ की कढ़ाई
12	गुणवत्ता मूल्यांकनकर्ता
13	नमूना करण दर्जी
14	एडवांस पैटर्न मेकर (सीएडी/सीएएम)
15	फेशन डिजाइनर
16	क्यूसी कार्यकारी- सिलाई लाइन
17	मर्चेंडाइजर
18	मशीन रखरखाव मैकेनिक (सिलाई मशीन)
19	निर्यात कार्यकारी
20	निर्यात प्रबंधक
21	सैंपल कोऑर्डिनेटर
22	औद्योगिक अभियंता (आईई) कार्यकारी
23	उत्पादन पर्यवेक्षक सिलाई
24	फैक्टरी अनुपालन लेखा परीक्षक
25	विशेष सिलाई मशीन ऑपरेटर
26	सहायक डिजाइनर- होम फर्निशिंग
27	सहायक डिजाइनर- मेडअप्स
28	सहायक फैशन डिजाइनर
29	बुटीक प्रबंधक
30	कटिंग सुपरवाइजर
31	फेब्रिक कटर-(परिधान निर्मित अप और होम फर्निशिंग)
32	फिनिशर
33	हाथ की कढ़ाई (अड्डावाला)
34	लाइन पर्यवेक्षक सिलाई
35	मर्चेंडाइजर-मेड-अप और होम फर्निशिंग
36	ऑनलाइन नमूना डिजाइनर
37	पैकर
38	पैटर्न मास्टर
39	प्रसंस्करण पर्यवेक्षक (रंगाई और मुद्रण)
40	रिकॉर्ड कीपर
41	स्व-नियोजित दर्जी
42	सिलाई मशीन ऑपरेटर (बुना हुआ)
43	सोर्सिंग मैनेजर
44	स्टोर कीपर
45	वाशिंग मशीन ऑपरेटर

एम्ब्रॉयडरी मशीन ऑपरेटर (जिगजैग मशीन) अपैरल, मेड–अप्स एवं होम फर्निशिंग सेक्टर का एक महत्वपूर्ण जॉब रोल है। एम्ब्रॉयडरी मशीन ऑपरेटर सजावटी डिजाइनों को परिधान उद्योग में तैयार किये जाने वाले वस्त्रों पर कढ़ाई करने के लिए एम्ब्रॉयडरी मशीन को ऑपरेट (चलाने) करने के लिए जिम्मेदार होते हैं।

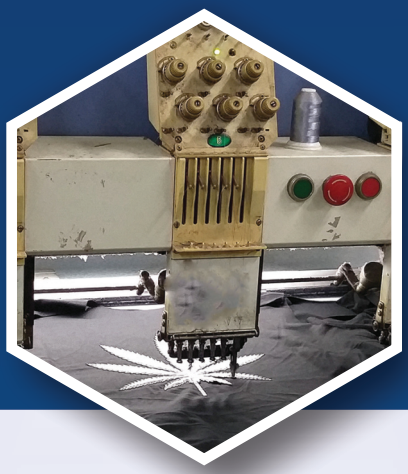

एंम्ब्रॉयडरी मशीन ऑपरेटर (जिगजैग मशीन) की भूमिका एवं दायित्व/जिम्मेदारियां:–

यह कोर्स कक्षा 11वीं व 12वीं में पढ़ाया जाता है। 11वीं एवं 12वीं की पाठ्यपुस्तकों की सामग्री में निम्नलिखित विषयों को इस कोर्स के अंतर्गत पढ़ाया जाता हैं:-

कक्षा–11वीं

इकाई 1

एम्ब्रॉयडरी मशीन का परिचय

इस इकाई में छात्र विभिन्न प्रकार की एम्ब्रॉयडरी मशीन, एम्ब्रॉयडरी में इस्तेमाल किए जाने वाले विभिन्न उपकरण, धागों, सुइयों व वस्त्रों के बारे में जानेंगे। साथ ही छात्रों को फ्री–मोशन व सेमी–ऑटोमेटिक एम्ब्रॉयडरी मशीनों के विभिन्न पार्ट्स एवं अटैचमेन्ट्स की जानकारी भी प्रदान की जाऐगी। इस इकाई में एम्ब्रॉयडरी मशीन की देखभाल, रख–रखाव और सेफ्टी रूल्स का भी सचित्र वर्णन किया गया है।

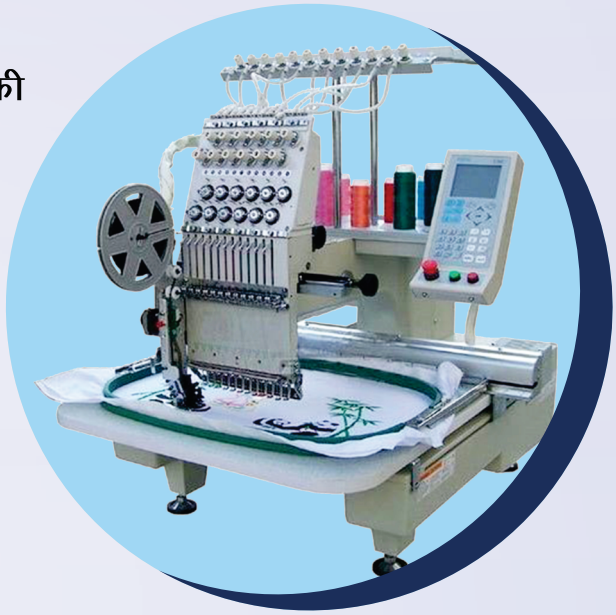

मशीन एम्ब्रॉयडरी के लिए सहायक सामग्री, एम्ब्रॉयडरी डिजायन्स और ट्रेसिंग विधियां

इकाई 2

इस इकाई में छात्र मशीन एम्ब्रॉयडरी में उपयोग की जाने वाली सहायक सामग्री और विभिन्न वस्त्रों के बारे में जान पाएंगे। साथ ही डिजाइन के तत्वों और सिद्धांतों तथा डिजाइन बनाना के बारे में जानकारी एकत्रित कर पाएंगे। ट्रेसिंग के अलग–अलग प्रकारों का भी इस इकाई में वर्णन किया गया है।

इकाई 3

बुनियादी टांके (स्टिचेस) के लिए कढाई मशीन का संचालन

इस इकाई में छात्र मशीन एम्ब्रॉयडरी की बुनियादी स्टिचेस जैसे की रनिंग स्टिच, चेन स्टिच आदि बनाना सीखेंगे। साथ ही साथ एम्ब्रॉयडरी व मशीन से संबंधित त्रुटिया (डिफेक्ट्स), मटीरियल डिफेक्टस के बारे में भी इस इकाई में बताया गया है।

साफ, सुरक्षित व जोखिम मुक्त कार्य क्षेत्र हेतु रखरखाव

इकाई 4

इस इकाई में एम्ब्रॉयडरी कार्यस्थल को किस प्रकार साफ व सुरक्षित रखा जा सकता है इस बारे में जानकारी दी जाएगी तथा एक साफ, स्वच्छ कार्य वातावरण का महत्व व ज्ञान भी दिया जाएगा। उत्पादकता व कार्यक्षमता बढ़ाने वाले कारकों पर भी चर्चा की जाएगी।

कार्यस्थल पर स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से संबंधित नियम

इकाई 5

इस इकाई में कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से संबंधित विषय पर चर्चा की गई है, क्योंकि इनका सीधा प्रभाव कर्मचारियों की उत्पादकता एवं कार्यक्षमता पर पड़ता है। छात्र इस इकाई में स्वास्थ्य व सुरक्षा संबंधी खतरों के बारे में समझेंगे। साथ ही साथ स्वास्थ्य व सुरक्षा संबंधित नियम जिनका कार्यस्थल पर अनुसरण किया जाना चाहिए, उनके बारे में भी जानकारी प्राप्त करेंगे।

कानून, नियामक व नैतिक जिम्मेदारियों का प्रतिपालन

इकाई 6

इस इकाई में छात्र वस्त्र एवं कपड़ा संबंधी उद्योगों, संगठनों, कार्यालयों और उत्पादन इकाइयों के लिए संबंधित सरकारों और देशों द्वारा तय किए गए नियमों और अनुपालन के बारे में पढ़ेंगे। साथ ही वे इनकी आवश्यकता व पालन के बारे में जानेंगे। परिधान और कपड़ा उद्योग को संचालित करने के कलिए जिन मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता है उसके बारे में भी चर्चा की जाएगी। विभिन्न कानूनी, नैतिक व नियामक संबंधी आवश्यकताओं के बारे में भी इस इकाई में पढ़ाया जाएगा।

कक्षा–12वीं

इकाई–1 एम्ब्रॉयडरी तकनीक / सिलाई के अनुरूप मशीन अटैचमेंट का चयन

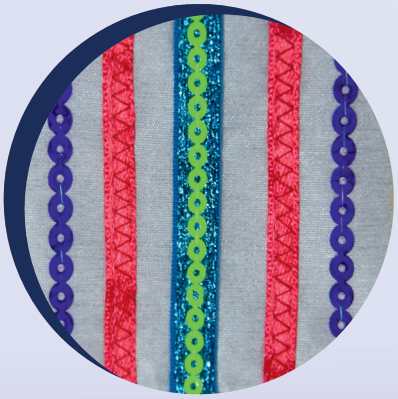

इस इकाई में छात्र मशीन एम्ब्रॉयडरी की एडवांस स्टिचेस जैसे के क्विलटिंग, एप्लीक और सितारों की टंकाई आदि को करना सीखेंगे। साथ ही वे मशीन एम्ब्रॉयडरी की उन्नत अथवा डेवेलप्ड टांके (स्टिच) के बारे में भी पढ़ेंगे।

इकाई–2 एम्ब्रॉयडरी के लिए स्पेसिफिकेशन शीट और विभिन्न वस्त्रों का चुनाव

इस इकाई में छात्र स्पेसिफिकेशन शीट तथा उसमें दिए गए विभिन्न तत्वों के बारे में विस्तारपूर्वक पढ़ेंगे। साथ ही साथ वे स्पेसिफिकेशन शीट के उपयोग के बारे में जानेंगे। एम्ब्रॉयडरी वर्क की प्रोसेसिंग को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक तथा अलग अलग प्रकार के कपड़ों पर काम करने में आने वाली समस्याओं को भी समझेंगे।

इकाई–3 एम्ब्रॉयडरी मशीन में आने वाली खराबियों को पहचानने/ समझने व गुणवत्ता (क्वालिटी) बनाए रखने के लिए परीक्षण

इस इकाई में छात्र सुधारे जाने वाले व गैर–सुधार योग्य एम्ब्रॉयडरी दोषों के बारे में समझेंगे। इसके साथ ही वे एम्ब्रॉयडरी मशीन के उपकरणों के रखरखाव/ देखभाल और कढ़ाई किए हुए उत्पादों के निरीक्षण/परीक्षण के बारे में भी समझेंगे।

इकाई–4 स्वच्छ व जोखिम मुक्त कार्यस्थल के लिए रखरखाव

इस इकाई में छात्र एक स्वच्छ व जोखिम मुक्त कार्यस्थल के महत्व व प्रासंगिकता को समझेंगे। साथ ही वे इसका कर्मचारियों व आगंतुकों के स्वास्थ्य व स्वच्छता में इसकी भूमिका को भी समझेंगे। दुर्घटनाओं से मुक्त व स्वच्छ कार्यस्थल में स्वच्छ पैदल मार्ग, उपयुक्त फुटवियर, साफ व सूखे सीढ़ियां, आइल इत्यादि की भूमिका का भी वर्णन भी इस इकाई का भाग है।

इकाई–5 कार्यस्थल पर स्वास्थ्य व सुरक्षा

इस इकाई में छात्र कार्यस्थल पर स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को समझेंगे। साथ ही वे कार्यस्थल पर ऐसे वातावरण के निर्माण के बारे में जानेंगे जो सभी तरह के कर्मचारियों के लिए शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण के लिए लाभदायक हो।

इकाई–6 औद्योगिक व संस्थागत आवश्यकताएं

इस इकाई में छात्र कपड़ा उद्योग में पालन की जाने वाले नियम व नीतियों के बारे में जानेंगे। साथ ही परिधान उद्योग से अपेक्षित कार्यप्रणाली तथा विशिष्ट नियमों और आवश्यकताओं के बारे में भी समझेंगे।

नौकरी के अवसर

यह पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद छात्रों के लिए रोजगार के निम्न अवसर हो सकते है:–

स्वरोजगार

- स्वयं का व्यवसाय/यूनिट

वैतनिक रोजगार

- सहायक एम्ब्रॉयडरी मशीन ऑपरेटर (एक्सपोर्ट/बायिंग/डिजाइन हाउस में)
- एम्ब्रॉयडरी मशीन ऑपरेटर (एक्सपोर्ट/बायिंग/डिजाइन हाउस में)
- बूटिक में एम्ब्रॉयडरी मशीन ऑपरेटर

एम्ब्रॉयडरी मशीन ऑपरेटर के जॉब रोल का कोर्स पूरा करने के बाद छात्रों को आगे बढ़ने के निम्नलिखित अवसर प्राप्त हो सकते हैं:–

(ऑन जॉब ट्रेनिंग)

- *सरकारी व गैर सरकारी स्किल प्रशिक्षण संस्थान*
- *एक्सपोर्ट/ बायिंग/ डिजाइन हाउस*
- *सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं के प्रॉडक्ट डेवलपमेंट/ डिजाइन डेवलपमेंट विभाग*

PSSCIVE के बारे में

पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल

पंडित सुंदरलाल शर्मा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.) व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में एक शीर्ष अनुसंधान और विकास संगठन है। यह शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत [पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.)], भारत सरकार द्वारा 1993 में स्थापित राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.) की एक घटक इकाई है। यह भारत में यू.एन.ई.वी.ओ.सी. (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय परियोजना) का नेटवर्क केंद्र भी है। संस्थान के पास विभिन्न विषयों के लिए बनाए गए विभागों के साथ 35–एकड़ में बना हुआ परिसर है। यहाँ पर कृषि और पशुपालन, व्यापार और वाणिज्य, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और पैरामेडिकल विज्ञान, गृह विज्ञान और आतिथ्य प्रबंधन और मानविकी विज्ञान, की शिक्षा और अनुसंधान का कार्य होता हैं।

संस्थान व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता–प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती हैं। संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु उच्च योग्य प्रशिक्षकों की टीम हैं, जो कि प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यक उत्कृष्ट पेशेवर कौशल और अनुभव रखते हैं।

संस्थान ने व्यावसायिक शिक्षा में तेजी से विकास के मार्ग को प्रशस्त किया है, उद्योग की बदलती जरूरतों के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया और कई बार व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए है। पिछले 25 वर्षों में संस्थान के विकास ने विभिन्न चुनौतियों का सामना किया हैं, लेकिन ये नए क्षितिज का पता लगाने और स्थानीय और वैश्विक कैनवास पर लोगों की कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रणनीतियों को फिर से तैयार करने की संभावनाओं एवं अवसरों के रूप में कार्य कर रहे हैं।

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

संयुक्त निदेशक
पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान
श्यामला हिल्स, भोपाल – 462002, मध्यप्रदेश, भारत
फो.: +91 755 2660691 | फेक्स: +91 755 2927347, 2660580
ईमेल : jd@psscive.ac.in
www.psscive.ac.in | www.ncert2021.psscive.in